इंडियन बिजनेस एंड प्रोफेशनल ग्रुप और इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया, अबु धाबी चैप्टर की भागीदारी में आयोजित इंडियन कम्युनिटी इवेंट में माननीय अध्यक्ष, लोक सभा द्वारा संबोधन

आज आपके बीच आकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। मेरे और मेरे साथ आए प्रतिनिधिमंडल के लिए इस इवेंट का आयोजन करने के लिए मैं यूएई में रहने वाले भारतीय समुदाय और हमारे दूतावास का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं।

मित्रो, मुझे यह जानकर खुशी हुई कि आईबीपीजी की शुरूआत तीन दशक पहले हुई थी और तब से ही यह भारतीय उद्योगों को सभी क्षेत्रों में व्यापार के लिए सुविधा प्रदान कर रहा है। इसके चलते भारतीय उद्योग अब अबु धाबी में निरंतर प्रगति कर रहे हैं। आप भारत और यूएई के बीच प्रगतिशील द्विपक्षीय व्यापार मंच तैयार करने की दिशा में निरंतर योगदान दे रहे हैं और उद्यमशीलता, नेटवर्किंग, वैश्वीकरण, नवोन्मेष और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए समावेशी व्यावसायिक भागीदारियों को प्रोत्साहित कर रहे हैं।
इसी तरह, इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया को इसके पेशेवर सदस्यों के लिए जाना जाता है। यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की बहुत से देशों में मांग है। मुझे बताया गया है कि बहुत से लोग इन दोनों ही संस्थाओं से जुड़े हुए हैं।

मित्रो, भारत और यूएई के बीच पारंपरिक रूप से मजबूत द्विपक्षीय संबंध रहे हैं और समय-समय पर होने वाले उच्च स्तरीय द्विपक्षीय नियमित दौरों से इन संबंधों को और मजबूती मिली है। 2015 के बाद से भारत के माननीय प्रधानमंत्री ने यूएई के अनेकों दौरे किए हैं जिससे दोनों देशों के बीच एक नई और मजबूत भागीदारी की नींव पड़ी है। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने की दिशा में भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा किए गए प्रयासों को विशेष महत्व देते हुए यूएई की सरकार ने उन्हें यूएई के सर्वोच्च सम्मान 'ऑर्डर ऑफ ज़ायेद' से सम्मानित किया है।

भारत और यूएई के बीच सदियों से व्यापारिक संबंध रहे हैं। पिछले पांच दशकों के दौरान, भारत और यूएई के बीच द्विपक्षीय व्यापारिक और आर्थिक संबंधों में लगातार प्रगति हुई है। आर्थिक और व्यापारिक संबंधों में हुई प्रगति के कारण दोनों देशों के बीच विविधतापूर्ण और गहरे द्विपक्षीय संबंधों को अत्यधिक स्थिरता और मजबूती मिली है। हम इन संबंधों को और मजबूत बनाने की दिशा में प्रयास कर रहे हैं ताकि दोनों देशों को इससे लाभ मिले। आप जानते हैं कि भारत और यूएई एक व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) पर

सहमत हुए हैं। इस समझौते पर पिछले सप्ताह आयोजित वर्चुअल शिखर सम्मेलन के दौरान हस्ताक्षर किए गए हैं।

मुझे पूरा विश्वास है कि इस समझौते से हमारे संबंधों के एक नए युग की शुरूआत होगी। आपकी विशेषज्ञता और अनुभव से सीईपीए के नीतिगत उद्देश्यों को निश्चित रूप से लाभ मिलेगा।

वर्ष 2019-20 में यूएई भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार था। वर्ष 2020-21 में भारत से हुए निर्यात के संदर्भ में यूएई तीसरा सबसे बड़ा देश था, इस दौरान लगभग 16 बिलियन अमरीकी डालर मूल्य का निर्यात किया गया था।

अगर हम यूएई की बात करें, तो वर्ष 2020 में भारत इसका तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा, इस दौरान लगभग 27.93 बिलियन अमरीकी डालर मूल्य के बराबर का व्यापार हुआ, इसमें तेल का व्यापार शामिल नहीं है। वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान यूएई सॉवरेन वेल्थ फंड्स द्वारा भारत में 4.12 बिलियन अमरीकी डालर से अधिक राशि का निवेश किया गया।

यूएई ने भारत के अवसंरचना क्षेत्र में 75 बिलियन अमरीकी डालर का निवेश करने का वादा किया। यह इस मायने में महत्वपूर्ण है कि यूएई अपनी तेल-आधारित अर्थव्यवस्था के लिए अन्य क्षेत्रों में भी अवसर तलाश रहा है और इससे यूएई में और भारत में भी मौजूद भारतीय कंपनियों को व्यापार के बड़े अवसर मिल रहे हैं।

देवियो और सज्जनो,

भारत और यूएई के बीच मजबूत सांस्कृतिक संबंध रहे हैं। यूएई के लोग भारतीय संस्कृति से अच्छी तरह परिचित हैं और इसका सम्मान करते हैं। मुझे यह जानकर खुशी हुई कि भारतीय सिनेमा और टीवी चैनल यूएई में लोकप्रिय हैं तथा यूएई के बड़े थिएटरों एवं सिनेमाघरों में व्यावसायिक हिन्दी, तेलुगु, मलयालम और तमिल फिल्में प्रदर्शित की जाती हैं।

बहुत से भारतीय टीवी और रेडियो चैनल यूएई में उपलब्ध हैं और बड़ी संख्या में लोग इन्हें देखते-सुनते हैं। यह अत्यंत गर्व का विषय है कि यूएई के लोग अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, जिसकी पहल भारत द्वारा की गई थी, के कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं और यूएई में योग और ध्यान के विभिन्न स्कूल सफलतापूर्वक चल रहे हैं। अबु धाबी के पहले हिन्दू मंदिर की आधारशिला 20 अप्रैल 2019 को रखी गई थी और इस समारोह में यूएई सरकार के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भाग लिया था।

भारत और भारतीयों का दुनिया में बहुत महत्व है । भारत के लोग जिस देश में भी रहते हैं, वहां की मुख्यधारा में स्वयं को आसानी से समाहित कर लेते हैं और भारतीय संस्कृति, परंपराओं, आस्थाओं, मूल्यों और आदर्शों का पालन करते हैं और उनको संरक्षित रखते हैं।

भारतीय समुदाय ने यूएई के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और इस समुदाय की तकनीकी योग्यता, अनुशासन की भावना और कानून का पालन करने की प्रवृत्ति के लिए यहां इसका बहुत सम्मान है। यूएई में भारतीय समुदाय के लोगों ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं जिसके लिए मैं उनकी सराहना करता हूं।

मुझे यह जानकर खुशी हुई कि यूएई से 16 विख्यात भारतीयों और एक इंडियन कम्युनिटी एसोसिएशन को प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार प्रदान किया गया है तथा 7 भारतीयों को पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है । यहां सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यकलापों से जुड़ी विभिन्न भाषाई और क्षेत्रीय संस्थाएं कार्यरत हैं जो हमारे दूतावास द्वारा किए जाने वाले कल्याणकारी कार्यों में सहयोग देती हैं।

मुझे बताया गया है कि कोविड वैश्विक महामारी के दौरान इन संस्थाओं ने हमारे दूतावास और कॉन्सुलेट द्वारा किए गए राहत और भारत वापसी से जुड़े कार्यों में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। मैं इन संस्थाओं द्वारा निभाई गई भूमिका के लिए उनकी हृदय से सराहना करता हूं।

आपने जो उपलब्धियां हासिल की हैं उन पर हमें गर्व है और मुझे आशा है कि आप हमें इसी प्रकार गौरवान्वित करते रहेंगे । मुझे विश्वास है कि यूएई में रह रहे भारतीय दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत बनाने की दिशा में कार्य करते रहेंगे ।

इन्हीं शब्दों के साथ, मैं अपनी बात समाप्त करता हूं और यहां रहने वाले भारतीय समुदाय को शुभकामनाएं देता हूं तथा उनके भावी प्रयासों की सफलता की कामना करता हूं। धन्यवाद ।